

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय,सूरत

Undergraduate Program in Hindi

Degree Course(B.A.)

Semester-5 Hindi Major -11

सेमेस्टर-5, प्रश्नपत्र-11 भारतीय काव्यशास्त्र

कोर्सकोड	Hindi - MJ-11			
कोर्स शीर्षक	प्रश्नपत्र-11 भारतीय काव्यशास्त्र			
कोर्स लेवल	300			
क्रेडिट	4 क्रेडिट			
टोटल इंगेजमेंट	4 Credits X 15 Hours=60 Hours			
टीचिंग/सप्ताह	4 लेक्चर/सप्ताह			
मिनिममवीक्स/ सेमेस्टर	15 (Including class work, Examination, Preparation, Holidays etc.)			
प्रभावीवर्ष	2025-26 से			
पाठ्यक्रम का उद्देश्य Purpose of Course/ Course Objective	1. विद्यार्थियों को भारतीय काव्य-चिंतन परंपरा का बोध कराना। 2. काव्य-चिंतन के विभिन्न संप्रदायों से अवगत कराना। 3. प्रतीक, मिथक, अलंकारों एवं छंदों की संरचना से परिचित कराना।			
पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)	Co1. भारतीय काव्यशास्त्र की चिंतन परंपरा से अवगत हो सकेंगे। Co 2. काव्य समीक्षा की प्रद्धतियों में विभिन्न संप्रदाय के नियम का उपयोग कर सकेंगे। Co 3. पारंपरिक और आधुनिक काव्य-लक्षण, प्रतीक, मिथक, अलंकारों एवं छंदों की समझ समृद्ध होगी।			
मैपिंग COs with PSOs		PSO1	PSO2	PSO3
	CO1			
	CO2			
	CO3			
Pre-requisite	HINDI			
पाठ्यक्रम	इकाई-1			16

	अ.काव्य-लक्षण, काव्य-हेतु, काव्य-प्रयोजन,काव्य के प्रकार आ. काव्य-गुण, काव्य-दोष	
	इकाई-2 अ.रस, अलंकार, रीति, ध्वनि और वक्रोक्ति सिद्धांतों का सामान्य परिचय आ.शब्द-शक्ति का परिचय	16
	इकाई-3 प्रतीक और मिथक: स्वरूप और महत्व निम्नलिखित काव्या लंकारों के लक्षण और उदाहरण- शब्दालंकार- श्लेष, यमक, अनुप्रास और वक्रोक्ति। अर्थालंकार-उपमा, उत्प्रेक्षा, रूपक, विभावना, मानवीकरण, अन्योक्ति।	14
	इकाई-4 छंद, लय और तुक-परिचय निम्नलिखित छंदों के लक्षण एवम् उदाहरण- शाब्दिकछंद-सवैया,धनाक्षरी,इंद्रवजा, मंदाक्रांता, वसंततिलका मात्रिक छंद- चोपाई,दोहा,सोरठ, रोला, छप्पय	14
अंक-विभाजन कुल गुण-50	प्रश्न-1.सभी इकाई से बहुविकल्पी प्रश्न(10)एक अंक का एक- बहुविकल्पी प्रश्न(10x 1= 10अंक) प्रश्न-2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक-एक आलोचनात्मक प्रश्न (14x 2 = 28अंक) प्रश्न-4. इकाई 3 और 4 से एक-एक टिप्पणी का प्रश्न (दो विकल्प में से एक) (6x 2 = 12अंक)	
सहायक-ग्रंथ	1. हिंदी आलोचना की बीसवीं सदी-निर्मला जैन 2. रस-चितन के विविध आयाम-सं. आनंदप्रकाश दीक्षित 3. भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र तथा हिंदी आलोचना-डॉ. रामचंद्र तिवारी 4. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका-डॉ. नगेन्द्र 5. रस-सिद्धांत-डॉ. नगेन्द्र 6. भारतीय एवम् पाश्चात्य काव्य-सिद्धांत-डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त 7. भारतीय काव्यशास्त्र-डॉ. अशोक शाह 8. भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत-डॉ. मधु वसावा - डॉ. अशोक शाह (अमर प्रकाशन, मथुरा)	
ई-लर्निंग स्रोत	1. https://cec.nic.in/cec/ 2. https://epathshala.nic.in/ 3. https://swayam.gov.in/	
शिक्षण प्रविधि	व्याख्यान पद्धति, ब्लैक-बोर्ड पद्धति ,सामूहिक-चर्चा ,प्रश्नोत्तरी, पीपीटी द्वारा ,श्रव्य-दृश्य माध्यम ,कहानी-कथोपकथन द्वारा, असाइमेंट द्वारा	
मूल्यांकन पद्धति	50% CCE (Continuous and Comprehensive Evaluation)-Formative& 50% SEE(Semester End Evaluation)Summative	

M.N.

सेमेस्टर-5, प्रश्नपत्र-12, हिंदी भाषा और लिपि

कोर्सकोड	Hindi - MJ-12			
कोर्स शीर्षक	प्रश्नपत्र-12, हिंदी भाषा और लिपि			
कोर्स लेबल	300			
क्रेडिट	4 क्रेडिट			
टोटल इंगेजमेंट	4 Credits X 15 Hours=60 Hours			
टीचिंग/सप्ताह	4 लेक्चर/सप्ताह			
मिनिमम वीक्स/सेमेस्टर	15(Including class work, Examination, Preparation, Holidays etc.)			
प्रभावी वर्ष	2025-26 से			
पाठ्यक्रम का उद्देश्य Purpose of Course/ Course Objective	1. हिंदी भाषा के उद्भव और विकास तथा हिंदी की विभिन्न बोलियों से परिचित कराना। 2. भारत की बहुभाषिकता और राजभाषा की अवधारणा से परिचित कराना। 3. राजभाषा हिंदी की संवैधानिक स्थिति से परिचित कराना।			
पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)	Co 1. विद्यार्थियों को हिंदी भाषा के ऐतिहासिक विकास क्रम तथा हिंदी की विभिन्न बोलियों का ज्ञान प्राप्त होगा। Co 2. विद्यार्थी भारत की बहुभाषिकता और राजभाषा की अवधारणा से परिचित होंगे। Co 3. विद्यार्थी राजभाषा हिंदी की संवैधानिक स्थिति से अवगत हो सकेंगे।			
मैपिंग COs with PSOs		PSO1	PSO2	PSO3
	CO1			
	CO2			
	CO3			
Pre-requisite	HINDI			
पाठ्यक्रम	इकाई-1 1. वैदिक संस्कृत, लौकिक संस्कृत, पालि, प्राकृत एवम् अपभ्रंश का सामान्य परिचय। 2. आधुनिक भारतीय आर्यभाषाओं का सामान्य परिचय 3. हिंदी भाषा का उद्भव और विकास 4. हिंदी की उपभाषाएँ एवम् बोलियों।			16

	इकाई-2 1. प्रशासन-व्यवस्था और भाषा 2. भारत की बहुभाषिकता और एक संपर्क भाषा की आवश्यकता 3. राजभाषा (कार्यालयी हिंदी) की प्रकृति	16
	इकाई-3. 1. हिंदी कम्प्यूटीकरण 2. भूमंडलीकरण के परिपेक्ष्य में हिंदी का भविष्य।	14
	इकाई-4 राजभाषा विषयक सांविधानिक प्रावधान- अ. राजभाषा-प्रावधान (अनुच्छेद ३४३ से ३५१), आ. राष्ट्रपति के आदेश (१९५२, १९५५, १९६०) इ. राजभाषा अधिनियम १९६३ (यथा संशोधित १९६७) ई. राजभाषा संकल्प (१९६८) उ. राजभाषा नियम १९७६	14
अंक-विभाजन कुल गुण-50	प्रश्न-1. सभी इकाई से बहुविकल्पी प्रश्न(10) एक अंक का एक- बहुविकल्पी प्रश्न (10x 1= 10 अंक) प्रश्न-2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक-एक आलोचनात्मक प्रश्न (14 x 2 = 28 अंक) प्रश्न-4. इकाई 3 और 4 से एक-एक टिप्पणी का प्रश्न (दो विकल्प में से एक) (6 x 2 = 12अंक)	
सहायक-ग्रंथ	1. हिंदी भाषा का इतिहास-डॉ. भोलानाथ तिवारी 2. हिंदी भाषा का उद्गम और विकास-उदयनारायण तिवारी 3. राजभाषा हिंदी: प्रगति और प्रयाण-सं. इकबाल अहमद 4. मानक हिंदी व्याकरण-पृथ्वीनाथ पांडेय 5. प्रयोजनपरक हिंदी-सूर्यप्रसाद दीक्षित-योगेन्द्र प्रताप सिंह 6. राजभाषा हिंदी-कैलाशचंद्र भाटिया 7. राजभाषा का स्वरूप-कैलाशचंद्र भाटिया 8. हिंदी भाषा और भाषा-विज्ञान-डॉ. अशोक शाह (अमर प्रकाशन, मथुरा) 9. सरल भाषा-विज्ञान-डॉ. अशोक शाह (वर्तिका प्रकाशन, नई दिल्ली)	
ई-लर्निंगस्रोत	1. https://cec.nic.in/cec/ 2. https://epathshala.nic.in/ 3. https://swayam.gov.in/	
शिक्षण प्रविधि	व्याख्यान पद्धति, ब्लैक-बोर्ड पद्धति, सामूहिक-चर्चा, प्रश्नोत्तरी, पीपीटी द्वारा, श्रव्य-दृश्य माध्यम, कहानी-कथोपकथन द्वारा, असाइमेंट द्वारा	
मूल्यांकन पद्धति	50% CCE (Continuous and Comprehensive Evaluation)-Formative & 50% SEE (Semester End Evaluation) Summative	

24.4.21

प्रश्नपत्र-13 हिंदी साहित्य में भारतीय ज्ञान परंपरा

कोर्सकोड	Hindi - MJ-13			
कोर्स शीर्षक	प्रश्नपत्र-13 हिंदी साहित्य में भारतीय ज्ञान परंपरा			
कोर्स लेवल	300			
क्रेडिट	4 क्रेडिट			
टोटलइंगेजमेंट	4 Credits X 15 Hours=60 Hours			
टीचिंग/सप्ताह	4लेक्चर/सप्ताह			
मिनिममवीक्स/सेमेस्टर	15(Including class work, Examination, Preparation, Holidays etc.)			
प्रभावीवर्ष	2025-26 से			
पाठ्यक्रम का उद्देश्य Purpose of Course/ Course Objective	1. भारतीय गौरवशाली परंपरा का ज्ञान प्रदान कराना। 2. रामचरितमानस और श्रीमद्भगवद् गीता ग्रंथ में निहित नैतिक मूल्यों तथा ज्ञान-योग, कर्म-योग, भक्तियोग का ज्ञान प्रदान करना। 3. महाभारत ग्रंथ में निहित गुरु - शिष्य परंपरा एवं भारतीय वीरांगनाओं से परिचित कराना।			
पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)	Co 1. विद्यार्थी भारतीय गौरवशाली ज्ञान परंपरा से परिचित होंगे। Co 2. विद्यार्थी रामचरित मानस और श्रीमद्भगवद् गीता ग्रंथ में निहित नैतिक मूल्यों तथा ज्ञान-योग, कर्म-योग, भक्ति-योग के ज्ञान से अवगत होंगे। Co 3. विद्यार्थी महाभारत ग्रंथ में निहित गुरु - शिष्य परंपरा एवं भारतीय वीरांगनाओं के योगदान को आत्मसात कर सकेंगे।			
मैपिंग COs with PSOs		PSO1	PSO2	PSO3
	CO1			
	CO2			
	CO3			
Pre-requisite	HINDI			
पाठ्यक्रम	इकाई-1 १.१ अयोध्याकांड का कथ्य १.२ अयोध्याकांड: पारिवारिक आदर्श १.३ अयोध्याकांड में प्रारब्ध और पुरुषार्थ १.४ अयोध्याकांड में राम का चरित्र १.५ अयोध्याकांड में लक्ष्मण का चरित्र			16
	इकाई-2 १. श्रीमद्भगवद् गीता का कर्म-योग २.१.१ कर्म का चरित्र पर प्रभाव २.१.२ मनुष्य मात्र महान है			16

	२.१.३ कर्म का रहस्य –निःस्वार्थ परोपकार २.१.४ कर्तव्य २. श्रीमद्भगवद् गीता का भक्ति-योग २.२.१ भक्ति के लक्षण २.२.२ ईश्वर का स्वरूप २.२.३ गुरु की उपयोगिता २.२.४ गुरु शिष्य के लक्षण	
	इकाई-३ महाभारत पर आधारित गुरु शिष्य संबंध ३.१ कर्ण-परशुराम ३.२ पांडव कौरव-गुरु द्रोणाचार्य ३.३ एकलव्य-गुरु द्रोणाचार्य ३.४ कृष्ण, सुदामा –संदीपनि	14
	इकाई-४ १. भारतीय विरांगनाएँ(सती, सावित्री, सीता, कुंती, द्रौपदी) २. भारतीय ज्ञान परम्परा में ब्रह्मानंद, प्रेमानंद, मुक्तानंद का हिंदी साहित्य में योगदान	14
अंक-विभाजन कुल गुण-50	प्रश्न-1. इकाई 1 से बहुविकल्पी प्रश्न(10) एक अंक का एक- बहुविकल्पी प्रश्न (10x 1= 10 अंक) प्रश्न-2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक-एक आलोचनात्मक प्रश्न (14 x 2 = 28 अंक) प्रश्न-4. इकाई 3 से एक टिप्पणी का प्रश्न (दो विकल्प में से एक) (6 x1 = 6अंक) इकाई 4 से एक टिप्पणी का प्रश्न (दो विकल्प में से एक) (6 x1 = 6अंक)	
सहायक-ग्रंथ	1. हिंदु धर्म परिचय-दिनेश गुप्त 2. रामचरित मानस- गोस्वामी तुलसीदास 3. अयोध्याकांड –गोस्वामी तुलसीदास 4. श्रीमद्भगवद् गीता -डॉ. अनूपचंद्र भायाणी 5. कर्म-योग- स्वामी विवेकानंद अनुवादक-श्री रामविलास शर्मा 6. भक्ति-योग- स्वामी विवेकानंद अनुवादक-श्री आदित्य शर्मा 7. महाभारत-स्वामी हरिहरानंद मण्डलेश्वर	
ई-लर्निंगस्रोत	1. https://cec.nic.in/cec/ 2. https://epathshala.nic.in/ 3. https://swayam.gov.in/	
शिक्षण प्रविधि	व्याख्यान पद्धति, ब्लैक-बोर्ड पद्धति ,सामूहिक-चर्चा ,प्रश्नोत्तरी,पीपीटी द्वारा ,श्रव्य-दृश्य माध्यम ,कहानी-कथोपकथन द्वारा, असाइमेंट द्वारा	
मूल्यांकन पद्धति	50% CCE (Continuous and Comprehensive Evaluation)-Formative& 50% SEE(Semester End Evaluation)Summative	

M.N.S.